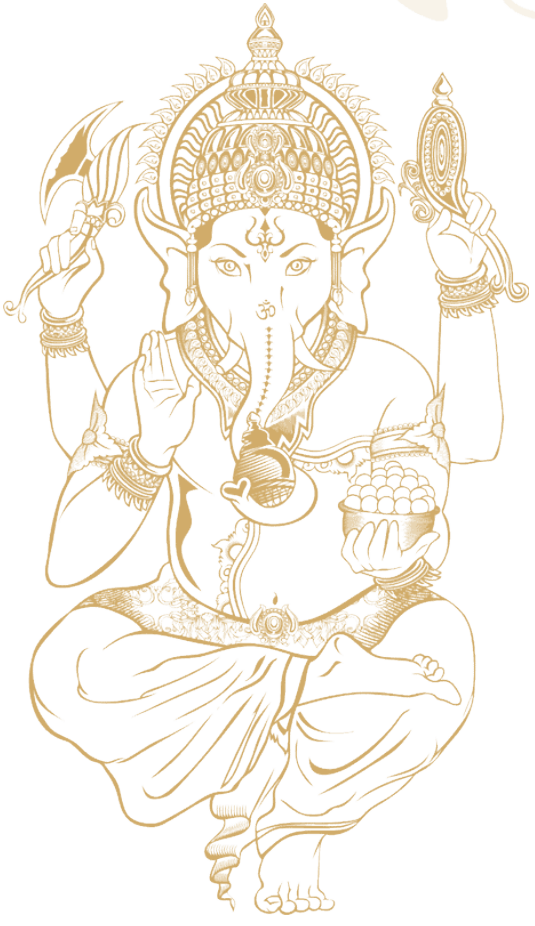

Mr. rahul Gupta

Ms. Ekta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120679602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/06/1995	जन्म तिथि	29/01/1996
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 11:34:00	जन्म समय	15:20:00 घंटे
घटी 16:19:57	जन्म समय(घटी)	22:03:37 घटी
India	देश	India
Ranchi	स्थान	Burhanpur
23:22:00 उत्तर	अक्षांश	21:18:00 उत्तर
85:20:00 पूर्व	रेखांश	76:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:20	स्थानिक संस्कार	-00:25:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:02:01	सूर्योदय	07:04:13
18:34:49	सूर्यास्त	18:12:55
23:47:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:16

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 3वर्ष 10मा 24दि		23:46:12	सिंह	लग्न	मिथु	07:23:27	सूर्य 1वर्ष 5मा 15दि	
शुक्र		27:02:06	वृष	सूर्य	मक	14:58:01	राहु	
07/05/2023		13:55:45	वृश्चि	चंद्र	वृष	06:45:37	15/07/2014	
07/05/2043		14:38:47	सिंह	मंगल	मक	22:41:19	14/07/2032	
शुक्र	05/09/2026	16:55:03	वृष व	बुध व	धनु	25:22:41	राहु	27/03/2017
सूर्य	06/09/2027	15:21:49	वृश्चि व	गुरु	धनु	11:54:59	गुरु	21/08/2019
चन्द्र	06/05/2029	08:07:05	वृष	शुक्र	कुंभ	23:25:36	शनि	27/06/2022
मंगल	06/07/2030	00:28:26	मीन	शनि	कुंभ	28:01:32	बुध	13/01/2025
राहु	06/07/2033	10:57:54	तुला व	राहु व	कन्या	26:29:06	केतु	01/02/2026
गुरु	06/03/2036	10:57:54	मेष व	केतु व	मीन	26:29:06	शुक्र	31/01/2029
शनि	07/05/2039	06:07:05	मक व	हर्ष	मक	07:12:04	सूर्य	26/12/2029
बुध	07/03/2042	01:14:26	मक व	नेप	मक	01:56:40	चन्द्र	27/06/2031
केतु	07/05/2043	04:49:43	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	08:55:29	मंगल	14/07/2032

लग्न-चलित

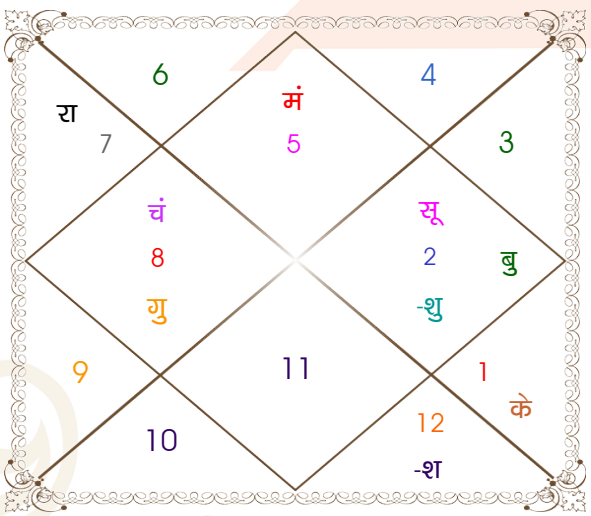

लग्न-चलित

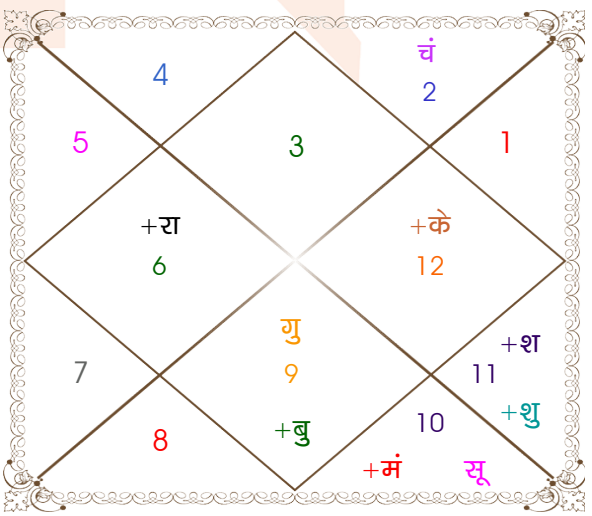

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

डतण तीनस ळनचजं का वर्ग सर्प है तथा Ms. Ekta का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण तीनस ळनचजं और Ms. Ekta का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण तीनस ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. Ekta मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Ekta कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतण तीनस ळनचजं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण् तीनस ळनचजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् तीनस ळनचजं तथा Ms. Ekta में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।